हंसराज महाविद्यालय
दिल्ली वि१वविद्यालय
महात्मा हंसराज मार्ग,
मलकागंज, दिल्ली -110007
दूरभाष : 011-27667458, 27667747
ई-मेल : principal_hrc@yahoo.com
वेबसाइट : www.hansrajcollege.ac.in

HANS RAJ COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI
Mahatma Hansraj Marg
Malkaganj, Delhi – 110007
Tel.: 011-27667458, 27667747
E-mail: principal_hrc@yahoo.com
Website: www.hansrajcollege.ac.in

NAAC ACCREDITED 'A++' GRADE COLLEGE

A Brighter Deepawali – Powered by Purpose and Fueled by Self-Reliance

Dear Hansraj Family,

Warm Greetings and Heartfelt Wishes for a peaceful and prosperous Deepawali! May this festival mark the beginning of new opportunities and enduring happiness for all of us by illuminating our hearts with hope, wisdom and compassion. Deepawali reminds us that even the smallest diya can dispel the deepest darkness, just as every conscious action can positively transform our society. In sync with the teachings of Maharshi Dayanand Saraswati and Mahatma Hansraj, the college has always prioritized a pedagogical model driven by values rooted in national heritage and cultural legacies. While being cognizant of global developments and striving for academic excellence, our institution is firmly grounded in the conviction that imparting education is synonymous with the goal of nation-building. All our endeavours are guided by this motivation. Even as we celebrate, we must remember our greater mission – Viksit Bharat 2047.

This year, let's celebrate a Deepawali driven by purpose- one that rekindles our faith in the power of 'Swadeshi', self-reliance and collective progress. As members of a premier institution that has shaped generations of thinkers, leaders and nation-builders, it is our responsibility to contribute towards India's growth through our meaningful choices and commitment to excellence. When we choose Indian-made products, extend our support to local artisans, value indigenous resources and acknowledge the significance of Indian Knowledge Systems – we are not merely buying goods, we are nurturing livelihoods, preserving our traditions and empowering the spirit of Atmanirbhar and Swabhiman Bharat. Every minor effort adds up to a greater transformation.

The founders of our institution have always championed progress anchored in Indian ethos. Let us carry forward this legacy by infusing Swadeshi values into our everyday life by making mindful choices. Our education should not be only about acquiring knowledge but also about contributing to our country's holistic development. Let us uphold the ideals of our foundational philosophy and the spirit of Deepawali and make a collective resolve to live responsibly and strengthen those in need . Together, we can build an India that shines not just with the lights but with the glow of inner strength, innovation and self-confidence.

My dear students, you are the pillars of our nation. This Deepawali, embrace the mantra of "Vocal for Local" in your lives.Free yourselves from laziness, indiscipline, and negativity, and light the lamps of knowledge, discipline, and compassion.

This Deepawali, I am reminded of the beautiful song sung by Lata Didi :

ज्योत से ज्योत जगाते चलो, प्रेम की गंगा बहाते चलो,
राह में आये जो दीन दुखी, सब को गले से लगाते चलो।

Here's to a Deepawali that ushers in a social renaissance. Keep spreading love, light and the joy of learning.

Prof. (Dr.) Rama
Principal

हंसराज महाविद्यालय

दिल्ली वि१वविद्यालय
महात्मा हंसराज मार्ग,
मलकागंज, दिल्ली -110007
दूरभाष : 011-27667458, 27667747
ई-मेल : principal_hrc@yahoo.com
वेबसाइट : www.hansrajcollege.ac.in

HANS RAJ COLLEGE

UNIVERSITY OF DELHI
Mahatma Hansraj Marg
Malkaganj, Delhi – 110007
Tel.: 011-27667458, 27667747
E-mail: principal_hrc@yahoo.com
Website: www.hansrajcollege.ac.in

NAAC ACCREDITED 'A++' GRADE COLLEGE

अध्यात्म, शिक्षा और संस्कार का दीपोत्सव

प्रकाश पर्व के इस शुभ अवसर पर, हंसराज परिवार के सभी सदस्यों, प्रिय छात्र-छात्राएँ और अभिभावकगण को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ। यह दीपावली हमारे अंतर्मन की उस आंतरिक ज्योति का उत्सव है जो अज्ञानता के तम को हराकर समाज और राष्ट्र को रोशन करती है।

आर्य समाज का मंत्र 'कृण्वन्तो विश्वमार्यम्' हमें निरंतर प्रेरित करता है कि हम केवल अपने लिए नहीं, अपितु सम्पूर्ण विश्व के कल्याण के लिए श्रेष्ठता की ओर अग्रसर हों। स्वामी दयानंद सरस्वती जी के उज्ज्वल विचार हमें शिक्षा के माध्यम से चरित्र निर्माण, आत्मनिर्भरता और सामाजिक समरसता की राह दिखाते हैं। उन्होंने न केवल अंधविश्वास और जातिगत भेदभाव से संघर्ष किया, बल्कि स्त्री शिक्षा, सामाजिक समानता और स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देकर एक सशक्त राष्ट्र की नींव रखी। जैसा कि महात्मा हंसराज जी कहा करते थे- **'सच्ची शिक्षा वही है जो मनुष्य में सेवा, त्याग और सत्य के प्रति आस्था जगाए।'** उनके इस विचार के अनुरूप ही आज भी हंसराज कॉलेज ज्ञान के साथ-साथ संस्कारों का भी दीप प्रज्ज्वलित कर रहा है।

हमारे हंसराज कॉलेज ने इस महान विरासत को गर्व से सँभाला है। शिक्षा, अनुसंधान, और समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्टता की ओर बढ़ते हुए, हमने NIRF रैंकिंग में भारत के शीर्ष तीन में स्थान प्राप्त किया है यह उपलब्धि समस्त कर्मचारियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों के अथक प्रयासों का सम्मान है। यह सफलता हमें उस महानतम आदर्श की याद दिलाती है कि 'शिक्षा ही राष्ट्र की सबसे बड़ी सेवा है।' प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के शब्दों में-

'स्वामी दयानंद सरस्वती जी द्वारा प्रदत्त शिक्षा और आत्मनिर्भरता की दृष्टि ही 'आत्मनिर्भर भारत' की आधारशिला है।'

आर्य शिक्षकों एवं सहकर्मियों, आप शिक्षण एवं सेवा के प्रतिष्ठित दीपक हैं, जो दीपावली के इस पावन अवसर पर विद्यार्थियों के दिलों में ज्ञान, अनुशासन और संवेदना के अनवरत प्रकाश को सुदृढ़ करते हैं। मैं आपसे आग्रह करती हूँ कि आपकी सेवा भावना, समर्पण और सहजता का यह दीपक सदैव प्रज्वलित रहे। एकता, सहयोग और सौहार्द्र के साथ हम एक परिवार की तरह हर चुनौती को पार कर राष्ट्र को नई ऊँचाइयों पर ले जाएँ।

प्यारे विद्यार्थियों, आप देश के नवनिर्माण के स्तंभ हैं। इस दीपावली, 'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र को अपने जीवन में आत्मसात करें। अपनी ऊर्जा को आलस्य, असंयम और नकारात्मकता से मुक्त कर, ज्ञान, अनुशासन और करुणा के दीप जलाएँ। अपने छोटे-छोटे कदमों से स्वदेशी उद्योगों का समर्थन करें, नवाचार को अपनाएँ और अपने सपनों को साकार करें।

यह दीपावली स्वयं में जागरूकता, आत्मसुधार और प्रगति का संकल्प हो। यह अपने भीतर के अंधकार को मिटाने, सत्य, ज्ञान तथा धर्म के प्रकाश को प्रसारित करने का अवसर है। आर्य समाज की शिक्षाएँ हमें यह स्मरण कराती हैं कि 'सत्य ही ईश्वर है' और जब हम अपने विचारों, कृत्यों और आचरण में सत्य को अपनाते हैं, तभी वास्तविक प्रकाश फैलता है। स्वामी दयानंद सरस्वती जी का पूरा जीवन इसी 'अंधकार से प्रकाश की ओर' के संदेश का प्रतीक रहा। यह पर्व सभी के जीवन में प्रेम, प्रकाश और प्रसन्नता लेकर आए।

इस दीपावली लता दीदी का गाया ये गीत याद आ रहा है-
ज्योत से ज्योत जगाते चलो, प्रेम की गंगा बहाते चलो,
राह में आये जो दीन दुखी, सब को गले से लगाते चलो।

आप सभी को दीपावली की अनंत..... शुभकामनाएं।

प्रो. (डॉ.) रमा
प्राचार्या